Vol 7 Issue 3 April 2017

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

ISSN: 2230-7850 IMPACT FACTOR : 5.1651(UIF) VOLUME - 7 | ISSUE - 3 | APRIL - 2017

INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL

कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता का अध्ययन एवं संवर्धन

सुधीर अ. दळवी
शिक्षक, सेवासदन अध्यापक विद्यालय, उत्तर अंबाझरी रोड, झांसी राणी चौक, बर्डी, नागपूर.

सारांश :
प्रस्तुत अनुसंधान में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता का अध्ययन एवं संवर्धन सम्बन्ध में अध्ययन किया गया है । इस हेतु 135 विद्यार्थियों को उद्देशपूर्ण प्रकार से चयनित गया है । जिनमें 84 बालक तथा 51 बालिकाएं शामिल है । यह छात्र 3 स्कूल मे से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के है । अनुसंधान मे सम्मिलित चरों के मापन हेतु मानकीकृत परीक्षणो का प्रयोग किया गया ।
विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन के परीक्षण लेने के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया और पर्यावरण संवर्धन में कोई अन्तर नहीं पाया गया । विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन मे सार्थक अन्तर पाया गया । छात्रों के सामाजिक, आर्थिक स्थिती का पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन में कोई प्रभाव दिखाई नहिं दिया गया । विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता को पर्यावरण संवर्धन की ओर बढाने की आवश्यकता है ।

मुख्य शब्द : पर्यावरण जागरुकता, पर्यावरण संवर्धन.

प्रस्तावना :

पर्यावरण उन सभी प्राकृतिक सामाजिक घटको जैसे विविध घटनाओं प्रतिक्रियाओं एवं प्रति घटनाओं का समग्र समायोजन है जिनका प्रभाव प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रुप में व्यक्ति के जीवन पर पडता है ।

पर्यावरण के प्रति जागरुक बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार और शिक्षा की है । बचपन से ही बालक अपने निकट के पर्यावरण से प्रभावित होने लगता है । भाषा ज्ञान एवं छोटे–मोटे क्रियाकलापों के साथ–साथ बालक में प्रेक्षण और विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों का सार्थक उपयोग करने की क्षमता को विकसित करने पर्यावरण संबंधी ज्ञान से बालक को अपने प्राकृतिक एवं उसे समझने का व्यवस्थित व सुगठित अवसर प्राप्त होता है । इस ज्ञान का दायरा धीरे–धीरे बढता जाता है । यह बालक के निकट के पर्यावरण से प्रारंभ होता है । तत्पश्चात संपूर्ण देश और इसी क्रम में कुछ सीमा तक विश्व तक फैलता जाता है । निरन्तर बढते हुए पर्यावरणीय ऱ्हास के प्रति विश्व व्याप्त चिंता एवं चेतना के फलस्वरुप यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हमारे बालक–बालिकाओं अर्थात नागरिकों के इस विषय के प्रति सावधान किया जाए तथा पर्यावरण की रक्षा व संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए उनमें उसके मूल्यों व मूल्यांकन के प्रति विशिष्ट जागरुकता उत्पन्न की जाए । इसके लिए यथासंभव सभी विषयों की शिक्षा पर्यावरण के विभिन्न घटकों जैसे सामाजिक तथा प्राकृतिक पर्यावरण के संबंध करके प्रदान की जाए तथा प्रेक्षण पर विशेष बल दिया जाए। गोपाल कृष्णन 1992 ने एक अध्ययन में कक्षा पाँच के छात्रों को पर्यावरण शिक्षा प्रदान की तथा उन पर पर्यावरणीय शिक्षा परिक्षण के प्रशासन के फलस्वरुप पाया कि पर्यावरण शिक्षा प्रदान करने से छात्रों पर अच्छा प्रभाव पडा ।

इसके लिए पर्यावरण शिक्षा का विकास होना चाहिऐ । शिक्षा विदों के मस्तिश्क में पर्यावरण शिक्षा से संबंधित कुछ प्रश्न उठे जैसे इसके लिए कौन–कौन से कार्यक्रम प्रभावी हो सकते है । कार्यक्रम के क्या उद्देश्य होने चाहिए और इसे किस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है । इस क्षेत्र में इस प्रकार कार्य करना चाहिए जिससे पर्यावरण शिक्षा'' शिक्षा के एक घटक के रुप में स्वीकार की जा सके ।

अध्ययन की आवश्यकता :

विद्यार्थियों मे पर्यावरणीय जागरुकता के महत्व को ध्यान में रखकर उनके द्वारा की गयी विभिन्न तैयारियाँ एवं पर्यावरणीय संवर्धन से उसे जोडने को महत्व देती है ।

विद्यार्थियो की पर्यावरणीय जागरुकता विज्ञान कि स्कूलों मे ढालकर उसे पर्यावरणीय संवर्धन में जब तक लाया नही जाता तब तक पर्यावरण का घटता असंतूलन दूर नही किया जा सकता, इसलिये यह अध्ययन पर्यावरणीय जागरुकता एवं संवर्धन के बीच मे सहसम्बन्ध का केन्द्रित करता है ।

उद्देश्य :

1)कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं में पर्यावरण जागरुकता का अध्ययन करना ।
2) कक्षा आठवी के छात्र एवं छात्राओं में पर्यावरण संवर्धन का अध्ययन करना ।
3) कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों मे पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन का तुलनात्मक अध्ययन करना ।
4) कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों में सामाजिक आर्थिक स्थिति के आधार पर पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन का अध्ययन करना ।

शोध की परिकल्पनाएँ :

1)कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं में पर्यावरण जागरुकता में कोई अन्तर नहीं है ।
2)कक्षा आठवी के छात्र एवं छात्राओं मे पर्यावरण संवर्धन में कोई साथक अन्तर नही है ।
3)कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
4)कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों में सामाजिक आर्थिक स्तर के आधार पर पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

अध्ययन का सीमांकन :

1)अध्ययन अमरावती जिले के तीन विद्यालय के कक्षा आठवी के विद्यार्थियों तक सीमित रखा गया है ।

न्यादर्श :

प्रस्तुत अध्ययन में महाराष्ट्र राज्य के अमरावती जिले के 2 शहरी एवं 1 ग्रामीण स्कूल लिए गये है । न्यादर्श को उद्देशपूर्ण चयनित किया गया है । इस शोध कार्य के अन्तर्गत तीन स्कूल से कुल 135 विद्यार्थियों का समावेश किया गया है । जिसमें 84 बालक तथा 51 बालिकाएं शामिल हैं ।

उपकरण :

सम्बन्धित अध्ययन के लिए प्रदत्तो के संकलन हेतु चार प्रकार के साधनों का विनियोग किया गया है ।
1) पर्यावरण जागरुकता परीक्षण :–पर्यावरण जागरुकता परीक्षण हेतू 30 प्रश्नों की बहुविध प्रश्नावली का उपयोग किया है । प्रत्येक सही प्रश्न को दो अंक दिये गये है इसलिए उच्चतम गुणांक यह 60 है ।
2) पर्यावरण जागरुकता मार्गदर्शिका :– पर्यावरण जागरुकता परीक्षण के उपर एक मार्गदर्शिका बनाई उसमें पर्यावरण के बारे में विश्लेषण दिया गया था । उस मार्गदर्शिका उपयोग किया गया है ।
3) पर्यावरण संवर्धन परीक्षण :– पर्यावरण संवर्धन पर 30 प्रश्नों की बहुविकल्प प्रश्नावली बनाई थी और उस प्रश्नावली का उपयोग शोध में किया गया है ।
4) सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची :– एस.पी. कुलश्रेष्ठ के सामाजिक, आर्थिक परिसूची के आधार पर शोधकर्ता ने संशोधित सामाजिक आर्थिक परिसूची बनाई और उसका उपयोग किया गया
है ।

प्रदत्तो का विश्लेषण :

प्रदत्तो के विश्लेषण हेतु मध्य, मानक विचलन प्राप्तांक एवं स्काई स्कवेअर का प्रयोग किया
गया ।

तालिका क्र. 1

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	't'	df	Remark
पर्यावरण जागरुकता	छात्र	84	40.81	6.16	3.27	133	Not Significant
	छात्राओं	51	37.83	4.48			

कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण जागरुकता के **'t'** प्राप्तांक का 3.27 है । यह मूल्य **'t'** तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से ज्यादा है । इसलिये **'t'** प्राप्तांक, 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरो पर सार्थक है । प्राप्त **'t'** मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है ।

तालिका क्र. 2

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	't'	df	Remark
पर्यावरण संवर्धन	छात्र	84	45.51	8.12	0.90	133	Significant
	छात्राओं	51	44.41	6.02			

कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण संवर्धन के **'t'** प्राप्तांक का 0.09 है । यह मूल्य **'t'** तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम है । इसलिये **'t'** प्राप्तांक, 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरो पर सार्थक नही है । अतः प्राप्त **'t'** मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है ।

तालिका क्र. 3

चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	't'	df	Remark
पर्यावरण जागरुकता	135	39.71	4.85	7.19	133	Not Significant
पर्यावरण संवर्धन		45.14	7.32			

कक्षा आठवीं के छात्रों के पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन के 't' प्राप्तांक का मूल्य 7.19 यह मूल्य 't' तालिका के 0.05 तथा 0.01 स्तर के मूल्य से ज्यादा है । 't' मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है ।

तालिका क्र. 4

चर	N	U.C.	M.C.	L.C.	काई स्क्वेअर (X^2)	df	Remark
पर्यावरण जागरुकता	135	42	40.32	34.5	0.26	2	Significant
पर्यावरण संवर्धन		47.29	42.42	42.75			

U.C. – उच्च आर्थिक स्तर, M.C. – मध्यम आर्थिक स्तर, L.C.– निम्न आर्थिक स्तर

कक्षा आठवीं के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्तर के आधार पर पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन का काई स्क्वेअर (X^2) परीक्षण मूल्य 0.26 है । यह मूल्य तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम है । इसलिये काई स्क्वेअर (X^2) प्राप्तांक 0.05 तथा 0.01 स्तर पर सार्थक नही है । प्राप्त काई स्क्वेअर (X^2) मूल्य सार्थक नही होने की वजह से शून्य परिकल्पना को स्वीकृत किया जाना है ।

निष्कर्ष :

कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन के परीक्षण लेने के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया एवं छात्रों की अपेक्षा छात्राओं मे पर्यावरण जागरुकता कम पायी गयी और छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण संवर्धन मे कोई अन्तर नही पाया गया । विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन में सार्थक अन्तर पाया गया । छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति का पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन में कई प्रभाव दिखाई नहीं दिया गया ।

अंततः हम इस अध्ययन द्वारा यह निष्कर्ष निकाल सकते है कि विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरुकता को पर्यावरण संवर्धन की ओर बढाने की आवश्यकता है ।

भविष्य के लिए शोध सुझाव :

1. प्रायमरी स्कूल के विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरुकता एवं पर्यावरण संवर्धन का अध्ययन
2. आदिवासी एवं गैरआदिवासी विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरुकता का अध्ययन
3. औद्योगिक एवं सामान्य क्षेत्र के विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरुकता का अध्ययन
4. स्कूली पाठयक्रम में पर्यावरण शिक्षा एक विषय के रुप में प्रस्तुत किये जाने पर अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ :

1.FISHMAN, L. "The effects of Local Learning on Environmental Awareness in Children an Empirical Investigation, Journal of Environmental Education Vol. 36 (3) Page No. 39, Washington D.C. : Heldref Pub.

2.KISHOR, L., (1995) "A Process – based Environmental Studies Programme at Primary Stage : Teacher's Reactions, Indian Educational Abstracts, Vol. 1 (2), (2001), Page No. 83, New Delhi : NCERT.

3. Buch M.B. (Ed), (1983) "Third Survey of Research in Education, New Delhi : NCERT.

4.शर्मा आर.ए. (1986) शिक्षा अनुसंधान मेरठ, लायल बुक डिपो.

5.डॉ. चन्द्र, सु. (1997) पर्यावरण प्रदूषण एवं मानव संस्था, दिल्ली.

6.डॉ. भांडारकर के.एम., पर्यावरण शिक्षण, नुतन प्रकाशन, पुणे.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org